अष्टमः पाठः

विश्ववन्द्याः कवयः

वाल्मीकिः

कवीन्दुं नौमि वाल्मीकि यस्य रामायणीं कथाम्।
चन्द्रिकामिव चिन्वन्ति चकोरा इव कोविदाः।।
वाल्मीकिकविसिंहस्य कवितावनचारिणः।
शृण्वन् राम-कथा-नादं को न याति परं पदम्।
कूजन्तं रामरामेति मधुरं मधुराक्षरम्।
आरुह्य कविताशाखां वन्दे वाल्मीकिकोकिलम्।।

व्यासः

श्रवणाञ्जलिपुटपेयं विरचितवान् भारताख्यममृतं यः।
तमहमरागमकृष्णं कृष्णाद्वैपायनं वन्दे।।
नमः सर्वविदे तस्मै व्यासाय कविवेधसे।
चक्रे पुण्यं सरस्वत्या यो वर्षमिव भारतम्।।
नमोस्तु ते व्यास विशालबुद्धे फुल्लारविन्दायतपत्रनेत्र।
येन त्वया भारततैलपूर्णः प्रज्वालितो ज्ञानमयः प्रदीपः।।

कालिदासः

पुरा कवीनां गणनाप्रसंगे कनिष्ठकाधिष्ठितकालिदासः।
अद्यापि तत्तुल्यकवेरभावादनामिका सार्थवती बभूव।।
कालिदासगिरां सारं कालिदासः सरस्वती।
चतुर्मुखोऽथवा ब्रह्मा विदुर्नान्ये तु मादृशाः।।
निर्गतासु न वा कस्य कालिदासस्य सूक्तिषु।
प्रीतिर्मधुरसान्द्रासु मंजरीष्विव जायते।।

(संकलित)

अभ्यास प्रश्न

➨ लघु उत्तरीय प्रश्न

१. संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः कः आसीत्?
अथवा संस्कृत आदिकवेः नाम लिखत।
२. वाल्मीकिः कः आसीत्?
३. कालिदासः कथं प्रसिद्ध अस्ति?
४. विश्ववन्द्याः कवयः के के सन्ति?
५. कवीनां गणनाप्रसङ्गे कालिदासः कुत्राधिष्ठितः आसीत्?

६. कालिदासस्य सूक्तीनां का विशेषता?
७. कालिदासस्य त्रयाणाम् ग्रन्थानां नामानि लिख।
८. कः कविः कवीन्दुः इति कथितः।
९. कः कविः महाभारतम् विरचितवान्?
१०. व्यासः किं रचितवान्?

➨ अनुवादात्मक प्रश्न

१. निम्नलिखित श्लोकों का ससन्दर्भ हिन्दी-अनुवाद कीजिए–

(क) कवीन्दुं नौमि ..... कोविदाः।
(ख) वाल्मीकिकविसिंहस्य ..... परं पदम्।
(ग) कूजन्तम्..... कोकिलम्।
(घ) नमः सर्वविदे ..... भारतम्।
(ङ) पुरा कवीनां ..... बभूव।
(च) कालिदासगिरां ..... तु मादृशाः।
(छ) निर्गतासु ..... जायते।

२. निम्नलिखित सूक्तिपरक वाक्यों की ससन्दर्भ हिन्दी-व्याख्या कीजिए–

(क) शृण्वन् राम-कथा-नादं को न याति परं पदम्।
(ख) अनामिका सार्थवती बभूव।
(ग) पुरा कवीनां गणनाप्रसंगे कनिष्ठिकाधिष्ठित कालिदासः।
(घ) प्रीतिर्मधुरसान्द्रासु मञ्जरीष्विव जायते।
(ङ) प्रज्वालितो ज्ञानमयः प्रदीपः।
(च) चक्रे पुण्यं सरस्वत्या यो वर्षमिव भारतम्।

३. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(क) वाल्मीकि संस्कृत साहित्य के आदिकवि थे।
(ख) रामायण के रचयिता वाल्मीकि थे।
(ग) सदा सत्य बोलना चाहिए।

➨ व्याकरणात्मक प्रश्न

१. निम्नलिखित में सन्धि-विच्छेद कीजिए–

कवीन्दुम्, भारताख्यम्, मधुराक्षरम्, कनिष्ठिकाधिष्ठितः, कवेरभावात्।

२. निम्नलिखित पदों में विभक्ति बताइए–

सर्वविदे, सरस्वत्याः, वनचारिणः, त्वया, कवेः, सूक्तिषु।

शब्दार्थ

कवीन्दुम् = (कवि + इन्दुम्) कविरूपी चन्द्रमा को। **चन्द्रिकामिव** = (चन्द्रिकाम् + इव) चाँदनी के समान। **कोविदाः** = विद्वान्। **आरुह्य** = चढ़कर। **कूजन्तम्** = कूजन करते हुए। **रामरामेति** = (राम-राम + इति) 'राम-राम' इस (शब्द) का। **कविताशाखाम्** = कवितारूपी शाखा पर। **वाल्मीकिकोकिलम्** = वाल्मीकिरूपी कोयल की। **श्रवणाञ्जलिपुटपेयम्** = (श्रवण + अञ्जलि-पुट-पेयम्) कानरूपी अञ्जलि के पुट से पीने-योग्य। **तमहमरागमकृष्णम्** = (तम् + अहम् + अरागम् + अकृष्णम्) उन रागरहित और पापरहित को मैं। **मादृशाः** = मुझ जैसे। **प्रीतिर्मधुरसान्द्रासु** = (प्रीतिः + मधुर-सान्द्रासु) **प्रीतिः** = आनन्द। **मधुर-सान्द्रासु** = मधुर और सघन।

●●